Paper - IV

MT

2017 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - IV

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. (क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **उचित क्रम लगाइए ।** **1**

(1) मैं दिल्लीयात्रा के आरक्षण के लिए स्टेशन गया।

(2) क्यू आगे तो सरक रहा था।

(3) मुझे खिड़की तक पहुँचते दस घंटे ही लगे।

ii) **परिच्छेद द्वारा आपको मिली हुई प्रेरणा ।** **1**

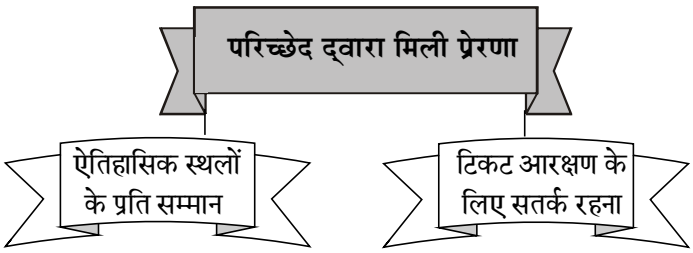

2) i) **निम्नलिखित शब्दों के लिए परिच्छेद में आए हुए समानार्थी शब्द लिखिए ।** **1**

(1) पंक्ति - कतार (2) साधारण - सामान्य

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।** **1**

(1) अमीर × गरीब (2) रात × दिन

3) मैं घर से निकली, गाड़ी का समय हो गया था। ट्रेन धीरे-धीरे प्लेटफार्म पर आई, उसमें खचाखच भीड़ थी। सभी ट्रेन में चढ़ने के लिए आगे बढ़े। मैं भी किसी तरह ट्रेन में चढ़ी। ट्रेन अपनी रफ़्तार पकड़े कि एक स्त्री दौड़ती हुई आई और ट्रेन में चढ़ने लगी अचानक उसका पैर फिसला और वह प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच की जगह में फँस गई तभी एक व्यक्ति ने बड़ी ही मजबूती से उस स्त्री को पकड़ कर खींच लिया। वह स्त्री ट्रेन के नीचे जाने से बच गई। यह घटना आज भी याद कर मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। यह यात्रा मेरे जीवन की अविस्मरणीय यात्रा है जिसमें किसी का जीवन मौत में बदल जाता लेकिन उस घटना से ट्रेन की यात्रा सावधानी से करें यह सबक मुझे सदैव के लिए मिल गया। **2**

उ.1. (ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :

1) i) **उचित पर्याय ढूँढकर लिखिए ।** **1**

(1) उसके दोषों को

(2) जो उसके अवगुणों को बता सके।

ii) **परिच्छेद पढ़कर उत्तर लिखिए ।** **1**

(1) न्यायालयों में मुकादमों का आना बंद हो गया।

(2) न्यायालयों में ताले लग गए।

2) i) **परिच्छेद से पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) बुराइयों → दुर्गुणों

(2) खोज → तलाश

ii) **सही शब्द तैयार कीजिए ।** **1**

(1) गु | णों | व | अ = अवगुणों

(2) शं | प्र | सा = प्रशंसा

3) न्यायप्रणाली पूर्णरूप से स्वतंत्र होनी चाहिए। इस पर किसी अन्य व्यवस्था का हस्तक्षेप बिल्कुल नहीं होना चाहिए। न्यायाधीश को भी न्याय करते समय भेदभाव नहीं करना चाहिए। बड़े-छोटे, अमीर-गरीब सबके साथ पक्षपात रहित होकर न्याय करना चाहिए। न्याय व्यवस्था को भ्रष्टाचार, रिश्वत आदि बुराइयों से दूर रह कर पारदर्शिता बरतनी चाहिए। **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए : **1**

1) i) **उत्तर लिखिए ।**

1) उबलती - उछलती 2) बलखाती - लहराती

ii) **समझकर लिखिए ।** **1**

(1) बालू में छिपकर।

(2) अपने सीमा बंधन को।

2)	**विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।** i) उर्वर × बंजर ii) धरती × आकाश	1
3)	अत्यधिक वर्षा होने के कारण नदियों में बहुत पानी भर जाता है। वह अपने कगारों को तोड़कर बहने लगती हैं। इससे भारी विनाश होता है। लोगों की बनी - बनाई गृहस्थी बर्बाद हो जाती है। गाँव के गाँव जल में समा जाते हैं। अनेक जानवर पानी में बह जाते हैं। खेतों में खड़ी फसलें चौपट हो जाती हैं। मकानों के पानी में डूबने और उनके गिरने से लोग बेघर हो जाते हैं। नदी के किनारे बसे शहरों में भी पानी भर जाता है, जिससे चारों तरफ त्राहि-त्राहि मच जाती है।	2
उ.2.	**(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	2
1)	**उत्तर लिखिए ।** i) हर जगह रोशनी फैली है। लगता है, जैसे दीवाली का त्योहार हो। ii) जगह-जगह खेल तमाशे हो रहे हैं। iii) सबके चेहरे पर खुशी चमक रही है। iv) ऐसा लगता है, जैसे धरती पर सूरज चाँद उतर आए हों।	
2)	**विरुद्धार्थी शब्द लिखिए ।** i) उतरना × चढ़ना ii) जाना × आना	1
3)	होली का त्योहार हमारे देश में मुख्य त्योहारों में से एक है। इस त्योहार को अमीर-गरीब सभी मनाते हैं। इस त्योहार को हँसी-खुशी मनाना चाहिए। खूब गुलाल उड़ाना चाहिए। लोगों को एक दूसरे पर रंग छिड़कना चाहिए तथा एक दूसरे से गले मिलना चाहिए। इस त्योहार में जाति-पाँति और धर्म का भेदभाव मिटाकर एक दूसरे के जीवन में उल्लास और प्रेम का रंग भर देना चाहिए।	2
	विभाग 3 - व्याकरण	
उ.3.	**पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :**	
1)	**मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द पहचानिए ।** i) दूरदर्शी ii) कार्षापण	1
2)	**निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए :-** **हाँ** : हाँ ! रामू को फौरन घर भेज दीजिए ।	1
3)	i) **काल पहचानिए ।** सामान्य वर्तमानकाल	1

ii) **काल परिवर्तन कीजिए ।** **1**
कोलकाता उनका कार्यक्षेत्र बना ।

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**
वक्ता की बातों से सब लोग **अभिभूत हो उठे** ।

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**
टूट पड़ना - आक्रमण करना ।
वाक्य - आतंकवादी को देखते ही सैनिक उसपर **टूट पड़े** ।

विभाग 4 - रचना

उ.**4.** **1) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **4**

रमेश पांडे
इंद्रनगर,
फिरोजपुर।
दिनांक - 5 मार्च, 2017 ।

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी,
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर ।

विषय :- **औषधियाँ मँगवाने के लिए प्रार्थना पत्र ।**

माननीय महोदय,

मैं आपका नियमित ग्राहक हूँ । मुझे जिन औषधियों की आवश्यकता होती है,वे सभी आपके यहाँ आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं ।

पिछले तीन-चार सालों से मैं आपके यहाँ से औषधियाँ खरीद रहा हूँ । कुछ दिन पहले ही मैंने आपके औषधि भंडार से कुछ दवाएँ मँगवाई थीं । उन दवाओं के सेवन से मुझे बहुत आराम मिला है । कुछ और देशी दवाइयाँ मँगवाना चाहता हूँ । पचास रुपए का पोस्टल ऑर्डर पत्र के साथ भेज रहा हूँ ।

दवाओं की सूची इस प्रकार है :

क्रमसंख्या	औषधि का नाम	मात्रा
1	कायम चूर्ण	300 ग्राम
2	च्यवनप्राश	500 ग्राम
3	द्राक्षासव	5 ग्राम
4	शहद	1 ग्राम

आशा है कि आप तुरंत औषधियाँ भेजने की कृपा करेंगे।
कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।
धन्यवाद !

भवदीय
स्रमेश पांडे ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान व्यवस्थापक जी
सोनिया औषधि भंडार,
राजीव चौक,
जालंधर ।

प्रेषक
रमेश पांडे,
इंद्रनगर,
फिरोजपुर ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

मेरा इरादा गरीबों को मदद करने का है ।
उसका इरादा सबको धोखा देना है ।
आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना अच्छा होगा ।
जब तक वे कठिन मेहनत नहीं करेंगे, तब तक वे पास नहीं कर सकते ।

3) निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए । **4**

एक शाम मैं परिवार जनों के साथ रिश्तेदार की शादी में गया था । वहाँ सारे मेहमान बड़े चाव से खाने - पीने की चींजों का आस्वाद ले रहे थे । कुछ लोग जितना चाहिए उतना ही खाना लेकर खा रहे थे । लेकिन कुछ लोग जितना खाना परोस कर ले रहे थे । उसे न खाकर वैसा ही छोड़ रहे थे । यह देखकर मेरे मन में विचार आए कि मैं कहूँ, आप लोग जितना खा सकते हैं, उतना ही खाना लीजिए । खानें को इस तरह कचरे में मत फेंकिए । भोजन को बर्बाद करना पाप है । कितने लोग इस देश में ऐसे हैं, जिन्हें दो वक्त की रोटी भी नसीब नहीं होती । आप हो कि भोजन को कूड़ेदान में फेंक रहे हो । बचे हुए खाने को गरीबों में बाँट दिया जायेगा । जिनसे उनका पेट भरेगा और हमें दुआ मिलेगी । आपको पता नहीं कि कितने परिश्रम और मेहनत के बाद यह अनाज पैदा होता है ? चिलचिलाती धूप, कड़ाके की ठंढ और मूसलाधार बरसात में कठिन परिश्रम करके हमारे देश का किसान अपने खेतों में अनाज पैदा करता है और आप हैं कि खाने को इस तरह कूड़ेदान में फेंक रहे है ।

❖❖❖❖